परिशुद्ध करनेवाले की आग

परिशुद्ध आग

आशीष रायचूर

मुद्रण और वितरणः **ऑल पीपल्स चर्च एवं विश्व सुसमाचार सम्पर्क, बंगलौर**
प्रथम संस्करण अक्तूबर 2011

अनुवाद एवं प्रूफरीडिंग : सुनील एस. लाल
मुख पृष्ठ एवं ग्राफिक्स डिज़ाइन : करुणा जयरोम, बाईफेथ डिज़ाइन्स

Contact Information:
All Peoples Church & World Outreach,
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617, +91-80-65970617
Email: contact@apcwo.org
Website: www.apcwo.org

इस्तेमाल किए गए बाइबल के संदर्भ पवित्र बाइबल से लिए गए हैं।

निशुल्क वितरण हेतु
इस पुस्तक का विनामूल्य वितरण ऑल पीपल्स चर्च के सदस्यों, सहभागियों और मित्रों के आर्थिक अनुदानों के द्वारा संभव हुआ है। यदि आपने इस निःशुल्क पुस्तक के द्वारा आशीष पाई है, तो हम आपको निमंत्रित करते हैं कि ऑल पीपल्स चर्च की निःशुल्क प्रकाशन सामग्री की छपाई और वितरण में सहायता करने हेतु आर्थिक रूप से हमें योगदान दें। धन्यवाद!

(Hindi book - The Refiner's Fire)

परिशुद्ध करनेवाले की आग

परिशुद्ध आग

विषय सूची

1.	परिशुद्ध करनेवाला काम पर है	1
2.	परिशुद्ध करने हेतु आग	3
3.	जाँचने हेतु आग	5
4.	आग क्या है	7
5.	प्रत्येक आग से नमकीन किया जाएगा	12
6.	जब हम आग में होकर चलते हैं	14
7.	इन सब का मूल्य	16

1

परिशुद्ध करनेवाला वाला काम पर है

"उस तिहाई को मैं आग में डालकर ऐसा निर्मल करूँगा, जैसा रूपा निर्मल किया जाता है, और ऐसा जाँचूँगा जैसा सोना जाँचा जाता है। वे मुझ से प्रार्थना किया करेंगे, और मैं उनकी सुनूँगा। मैं उनके विषय में कहूँगा,'ये मेरी प्रजा है' और वे मेरे विषय में कहेंगे, यहोवा हमारा परमेश्वर है" (जकर्याह 13:9)।

"क्योंकि हे परमेश्वर, तूने हम को जाँचा; तूने हमें चाँदी के समान ताया था। तूने हमको जाल में फँसाया; और हमारी कटि पर भारी बोझ बाँधा था; तूने घुड़चढ़ों को हमारे सिरों के ऊपर से चलाया, हम आग और जल से होकर गए; परन्तु तूने हम को उबार के सुख से भर दिया है" (भजनसंहिता 66:10-12)।

एक अच्छा परिशुद्ध करनेवाला (सुनार अथवा चाँदी का काम करने वाला) जानता है कि किस प्रकार शुद्ध धातु को अशुद्ध तत्वों से अलग किया जाता है। वह कच्ची धातु को शुद्ध करते समय सीसा को कच्ची धातु में मिलाया जाता है जैसे-जैसे अशुद्ध धातुएं पिघलकर अलग होती जाती है वैसे-वैसे सीसा जलता जाता है। जब अशुद्ध धातुएं हट जातीं हैं तब उस शुद्ध धातु का प्रयोग आभूषण बनाने के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया में कई प्रकार के काम सम्मिलित होते हैं जैसे आग में तपाना, हथौड़े से पीटना, प्लेंटिग करना और ओवरलेयिंग करना आदि। कच्ची ध ातु को परिशुद्ध करने के लिए आग महत्वपूर्ण तत्व है।

बाइबल सिखाती है कि परमेश्वर एक परिशुद्ध करने वाला है जो अपने लोगों को परिशुद्ध करनेवाला है जो अपने लोगों को परिशुद्ध करता है। "वह रूपे का तानेवाला और शुद्ध करनेवाला बनेगा, और लेवियों को शुद्ध करेगा और उनको सोने रूपे के समान निर्मल करेगा, तब वे यहोवा की भेंट धर्म से चढ़ाएँगे" (मलाकी 3:3)। यद्यपि यह भाग भविष्य में होने वाले परमेश्वर के काम के विषय में बताता है जिसे वह अपने लोगों

के बीच में करेगा, हम वचन से यह समझते हैं कि परमेश्वर आज और अभी अपने लोगों को परिशुद्ध करना चाहता है। इस परिशुद्धिकरण की प्रक्रिया में आग की आवश्यकता पड़ती है। धातु की प्रवृत्ति शुद्ध करने और परखने के लिए आग का प्रयोग किया जाता है। परमेश्वर आग का प्रयोग करके अपने लोगों को परखता है जिसमें से होकर वह अपने लोगों को भेजता है। जब यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने यीशु का परिचय दिया तब उसने कहा कि यीशु पवित्रात्मा और आग से बपतिस्मा देगा। "मैं तो पानी से तुम्हें मन फिराव का बपतिस्मा देता हूँ, परन्तु जो मेरे बाद आनेवाला है, वह मुझ से शक्तिशाली है; मैं उसकी जूती उठाने के योग्य नहीं। वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा" (मत्ती 3:11)।

'परिशुद्ध' शब्द के लिए इब्रानी भाषा का शब्द साराफ (Tsaraph) प्रयोग किया गया है जिसका अर्थ है, 'परिशुद्ध करना,' 'शुद्ध करना', 'जाँचना', 'आग में परखना' और 'परीक्षा लेना'। यह क्रिया उस सन्दर्भ में प्रयोग की गई है जब बहुमूल्य धातुओं में से अशुद्ध तत्व दूर किये जाते हैं। हम वचन से देखेंगे कि वह आग क्या है जिसके द्वारा परमेश्वर अपने लोगों को परिशुद्ध करता है। उन तरीकों को जानना रूचिकर होगा जिनके द्वारा परमेश्वर उन लोगों के हृदयों और जीवनों में काम करता है जिन्होंने अपने जीवनों को परमेश्वर को समर्पित किया है। जितना अधि क हम परमेश्वर के मार्गों तरीको और व्यवहारों को जो वह अपने लोगों के साथ करता है, जानेंगे, उतना ही अधिक उसके प्रति समर्पित होना और उसके साथ चलना आसान होगा। जब हम परमेश्वर के काम के तरीकों को नहीं समझते तभी हम ढीठ बनकर अपने मार्गों पर चलते हैं। परमेश्वर अपना अनुग्रह देता है ताकि हम यह पहचान सकें कि हमारा परमेश्वर एक परिशुद्ध करनेवाले और जाँचनेवाले के रूप में बैठता है। यीशु एक ऐसी कलीसिया को लेने आएगा जो बिना दाग और बिना झुर्री की हो। इसके लिए परिशुद्धिकरण की प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। यह पुस्तक हमें परमेश्वर के मार्गों और उद्देश्यों के विषय में बुद्धिमान बनाएगाी।

2

परिशुद्ध करने हेतु आग

“देख, तू हृदय की सच्चाई से प्रसन्न होता है; और मेरे मन ही में ज्ञान सिखाएगा” (भजनसंहिता 51:6)।

आग परिशुद्धता का प्रतीक है। इससे शुद्धता और सफाई आती है। जब इस्राएली लोग युद्ध पर गए और वहाँ से माल लेकर आए। तब परमेश्वर ने उन्हें निर्देश दिया कि जो कुछ आग में से बच जाए वह शुद्ध ठहरेगा। उसने कहा, “ जो कुछ आग में ठहर सके उसको आग में डालो, तब वह शुद्ध ठहरेगा” (गिनती 31:23अ)। अत: जो कुछ भी आग में डाला जाता है उस पर आग का शुद्ध करने का प्रभाव पड़ता है।

बाइबल हमें सिखाती है कि परमेश्वर हमारे अन्दर के भागों में भीतरी मनुष्यत्व में सच्चाई चाहता है। “सच्चाई” शब्द का इब्रानी में अर्थ है “निश्चयता”, “स्थिरता” और “विश्वासयोग्यता” का भाव भी प्रकट होता है। परमेश्वर इन गुणों से भरपूर लोगों को चाहता है- सत्य लोग, ऐसे लोग जिन पर राज्य की अनन्त सम्पत्ति हेतु भरोसा किया जा सके, ऐसे लोग जो परमेश्वर के लिए आज और अभी खड़े हो सकें।

जब परमेश्वर के लोगों ने पाप किया और अपनी दुष्टता में भटकते रहे, तब परमेश्वर ने कहा,“ मैं तुम पर हाथ बढ़ाकर तुम्हारा धातु का मैल पूरी रीति से भस्म करूँगा, और तुम्हारी मिलावट पूरी रीति से दूर करूँगा” (यशायाह 1:25)। इस सन्दर्भ में “मैल” और ‘मिलावट’ शब्द पाप के लिए प्रयोग किए गए है। एक बार पुन: परमेश्वर परिशुद्धिकरण को एक परिशुद्ध करनेवाले का सन्दर्भ देता है जिसे वह अपने लोगों के बीच में करेगा। हम इसी प्रकार की बात यिर्मयाह में भी पाते हैं, “तेरा निवास छल के बीच है; छल ही के कारण वे मेरा ज्ञान नहीं चाहते, यहोवा की यही वाणी है। इसलिये सेनाओं का यहोवा यों कहता है:

"देख, मैं उनको तपाकर परखूँगा, क्योंकि अपनी प्रजा के कारण मैं उनसे और क्या कर सकता हूँ?" (यिर्मयाह 9:6,7)। परमेश्वर अपने लोगों को आग में से गुजारता है ताकि वह उन्हें शुद्ध करके उन्हें ऐसे लोग बना सके जिनका भीतरी मनुष्यत्व सच्चा है। भजनकार ने प्रार्थना की, "मुझमें शुद्ध हृदय उत्पन्न कर"। यही हमारी भी प्रार्थना भी होनी चाहिए जब हम परमेश्वर को अनुमति देते है कि वह हमें परिशुद्ध करके सच्चा व्यक्ति बनाए। वह पढ़ना आनन्द की बात है जिसे स्वर्गदूत ने अन्तिम समय के विषय में दानिय्येल को बताया, "बहुत से लोग तो अपने-अपने को निर्मल और उजले करेंगे, और स्वच्छ हो जाएँगे" (दानिय्येल 12:10अ)। मैं उन सब में से एक बनना चाहता हूँ जो परिशुद्ध, श्वेत और शुद्ध किए जाएंगे। मैं विश्वास करता हूँ कि आप भी ऐसा बनना चाहते हैं।

3

जाँचने हेतु आग

“क्योंकि धर्मी परमेश्वर मन और मर्म का ज्ञाता है” (भजनसंहिता 7:9ब)।

आग चरित्र को जाँचने का भी प्रतीक है। विश्वासियों को न्याय के विषय में बात करते हुए बाइबल कहती है कि आग प्रत्येक के कामों को परखेगी कि वे कैसे है (1 कुरिन्थियों 3:13)। आग ही किसी वस्तु का चरित्र और स्वभाव परखती है। अत: परमेश्वर हमें आग में से होकर ले चलता है ताकि देखें कि हम वास्तव में कैसे लोग है-हमारे हृदय में वास्तव में क्या है। जी हाँ, परमेश्वर हमारे हृदय के विचारों और इरादों को जानता है। और यह अनावश्यक प्रतीत होता है कि परमेश्वर हमें आग में से गुजारे और हमें परखे और हमारे गुणों को जाने। परन्तु वचन से हम सीखते हैं कि परमेश्वर ऐसा ही करता है। वह अपने लोगों के हृदयों को परखने वाले की आग में डालकर परखता है। “प्रभु धर्मी को परखता है” (भजनसंहिता 11:5अ)। जिस प्रकार धातुएं भट्टी में परखी जाती हैं उसी प्रकार परमेश्वर अपने लोगों के हृदयों को परखता है। “चाँदी के कुठाली, और सोने के लिये भठी होती है,परन्तु मनों को यहोवा जाँचता है” (नीतिवचन 17:3)। दाऊद ने अपनी प्रार्थना में घोषित किया, “हे मेरे परमेश्वर! मैं जानता हूँ कि तू मन को जाँचता है और सिधाई से प्रसन्न रहता है” (1 इतिहास 29:17अ)। परख के लिए इब्रानी भाषा का शब्द “नासह” (nasah) आया हैं जिसका अनुवाद परखने, सिद्ध करने और जाँचने के लिए किया गया है। इसका साधारण अर्थ है किसी को परखना ताकि यह देखा जा सके कि वह व्यक्ति क्या प्रत्युत्तर देता है।

यह पढ़ना रूचिकर होगा कि किस प्रकार परमेश्वर ने पुराने नियम में अपने लोगों को परखा। मूसा ने जंगल की यात्रा के दौरान बातचीत करके इस्त्राएलियों को बताया, “और स्मरण रख कि तेरा परमेश्वर यहोवा उन चालीस वर्षों में तुझे सारे जंगल के मार्ग में से इसलिये ले आया है,

कि वह तुझे नम्र बनाए, और तेरी परीक्षा करके यह जान ले कि तेरे मन में क्या क्या है, और कि तू उसकी आज्ञाओं का पालन करेगा या नहीं। उसने तुझ को नम्र बनया, और भूखा भी होने दिया, फिर वह मन्ना जिसे न तू और न तेरे पुरखा ही जानते थे वही तुझ को खिलाया; इसलिये कि वह तुझ को सिखाए कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं जीवित रहता, परन्तु जो जो वचन यहोवा के मुँह से निकलते हैं उन ही से वह जीवित रहता है" (व्यवस्थाविवरण 28:2,3)। दाऊद और यिर्मयाह दोनों ने कहा कि परमेश्वर ने उनके हृदयों को परखा है। "तूने मेरे हृदय को जाँचा है; तूने रात को मुझे देखा है, तूने मुझे परखा परन्तु कुछ भी खोटापन नहीं पाया; मैंने ठान लिया है कि मेरे मुँह से अपराध की बात नहीं निकलेगी" (भजनसंहिता 17:3)। "हे यहोवा तू मुझे जानता है; तू मुझे देखता है, और तूने मेरे मन की परीक्षा करके देखा कि मैं तेरी ओर किस प्रकार रहता हूँ। जैसे भेड़-बकरियाँ घात होने के लिये झुण्ड मे से निकाली जाती हैं, वैसे ही उनको भी निकाल ले और वध के दिन के लिये तैयार कर" (यिर्मयाह 12:3)। क्या हम भजनकार की तरह प्रार्थना कर पाएंगे, "हे यहोवा, मुझ को जाँच और परख; मेरे मन और हृदय को परख" (भजनसंहिता 26:2)।

4

आग क्या है

"परन्तु उसके आने के दिन को कौन सह सकेगा, और जब वह दिखाई दे, तब कौन खड़ा रह सकेगा? क्योंकि वह सोनार की आग और धोबी के साबुन के समान है" (मलाकी 3:2)।

वह कौन सी आग है जिसे परमेश्वर अपने लोगों को परिशुद्ध करने हेतु प्रयोग करता है? "वह भट्टी" अथवा "परिशुद्ध करनेवाला बर्तन" कौन सा है जहाँ परमेश्वर हमें शुद्ध करता है और परखता है। वचन के अध्ययन से हम तीन निष्कर्षो पर पहुँचते हैं।

आग परमेश्वर की उपस्थिति है

"क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा भस्म करनेवाली आग है; वह जल उठनेवाला ईश्वर है" (व्यवस्थाविवरण 4:24)।

व्यवस्थाविवरण 4:24 और इब्रानियों 12:29 हमें बताते हैं कि हमारा परमेश्वर भस्म करनेवाली आग है। पुराने नियम में ऐसे बहुत से सन्दर्भ हैं जहाँ परमेश्वर ने दृष्श आग के द्वारा अपना दर्शन दिया। "और यहोवा जो आग में होकर सीनै पर्वन पर उतरा था, इस कारण समस्त पर्वत धूँए से भर गया; और उसका धूँआ भट्टे का सा उठा रहा था, और समस्त पर्वत बहुत काँप रहा था" (निर्गमन 19:18)। "इस्राएलियों की दृष्टि में यहोवा का तेज पर्वत की चोटी पर प्रचण्ड आग के समान दिखाई पड़ता था" (निर्गमन 24:17)।

जब हम परमेश्वर की उपस्थिति में आते है तब हम ऐसे परमेश्वर की उपस्थिति मे आते हैं जो भस्म करनेवाली आग है। इस सन्दर्भ में "भस्म" का अर्थ है कि जो कुछ उसकी उपस्थिति में स्वीकार करने योग्य बात नहीं है वह जलाकर नाश कर दी जाएगी। मैं ऐसी सभाओं में और प्रार्थना के समय का साक्षी हूँ जहाँ परमेश्वर की उपस्थिति भस्म

करनेवाली आग के समान बहुत तीव्र थी। हम केवल वहाँ चुपचाप खड़े रहे और कभी-कभी आँसू बह कर गालों पर आ गए। हम जान गए थे कि परमेश्वर जाँचने, परखने, सफाई करने और शुद्ध करने का काम हमारे हृदयों में कर रहा था। ओह! आज हमें बढ़ती हुई मात्रा में ऐसे काम की आवश्यकता हैं। परमेश्वर स्वयं ही एक परखने वाले की आग की तरह है। उसकी उपस्थिति में बने रहना ही हमें परिशुद्ध करता है।

परमेश्वर का वचन आग है

परमेश्वर यिर्मयाह 23:29 में पूछता है, "क्या मेरा वचन आग के समान नहीं है?" परमेश्वर का वचन आग की तरह है जो जलाती और भस्म करती है। परमेश्वर का वचन हमारे हृदयों को जाँचता और परखता है। यह "क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, और प्रबल और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है; और प्राण और आत्मा को, और गाँठ-गाँठ और गूदे-गूदे को अलग करके आर-पार छेदता है और मन की भावनाओं और विचारों को जाँचता है" (इब्रानियों 4:12)। हम पुराने नियम में एक व्यक्ति के बारे में पढ़ते है जिसका नाम यूसुफ था। परमेश्वर ने स्वप्न में उससे बात की और उसे उसका महिमावान भविष्य बता दिया। तौभी उसे बेच दिया गया और दूर देश ले जाया गया। उसे उसके परिवार से अलग कर दिया गया। और उसे दूर देश मे उसे बन्दीग्रह में डाल दिया गया यद्यपि उसका कोई दोष नहीं था। "उसने यूसुफ नामक एक पुरुष को उनसे पहले भेजा था, जो दास होने के लिये बचा गया था। लोगों ने उसके पैरों में बेड़ियाँ डालकर उसे दु:ख दिया; वह लोहे की साँकलों से जकड़ा गया; जब तक कि उसकी बात पूरी न हुई तब तक यहोवा का वचन उसे कसौटी पर कसता रहा" (भजनसंहिता 105:17-19)। क्यों यूसुफ को ये सब यातनाएँ सहनी पड़ी? इनमें से एक कारण यहाँ दिया गया है। परमेश्वर के वचन ने यूसुफ को जाँचा और परखा। परमेश्वर का वचन आग की तरह है-यह जाँचता और परखता है। जब परमेश्वर हमसे हृदय में बोलता है और अपना वचन हममें रखता है, वह पूरा होने से पहले परमेश्वर का वचन हमारे अन्दर शुद्ध करने और जाँचने का काम करता है।

परिस्थितियाँ, कठिनाइयाँ और परीक्षाएं आग हैं

हम बहुत से स्थानों पर देखते हैं कि परमेश्वर ने परिस्थितियों और बातों का प्रयोग करके अपने लोगों के हृदयों को परखा। इनमें से कुछ परिस्थितियाँ केवल आज्ञाकारिता का कार्य था जिसे परमेश्वर चाहता था। अन्य परिस्थितियाँ भी भिन्न थी जहाँ उसके लोग परेशानियों में पड़े और परमेश्वर "दूर खड़ा" होकर देखता रहा कि देखें कि वे क्या करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य ऐसी कठिनाईयाँ और सताव की भट्टी की तरह थी जहाँ परमेश्वर ने अपने लोगों को परखा और जाँचा।

परमेश्वर ने इब्राहीम की आज्ञाकारिता की परीक्षा ली। "इन बातों के पश्चात् ऐसा हुआ कि परमेश्वर ने अब्राहम से यहकर उसकी परीक्षा की, "हे अब्राहम!" उसने कहा, "देख, मैं यहाँ हूँ"। उसने कहा, "अपने पुत्र को अर्थात् एकलौते पुत्र इसहाक को जिस से तू प्रेम रखता है, संग लेकर मोरिय्याह देश में चला जा; और वहाँ उसको एक पहाड़ के ऊपर जो मैं तुझे बताऊँगा होमबलि करके चढ़ा" (उत्पत्ति 22:1,2)। "उसने कहा, "उस लड़के पर हाथ मत बढ़ा, और न उससे कुछ कर; क्योंकि तू ने जो मुझ से अपने पुत्र, वरन् अपने एकलौते पुत्र को भी नहीं रख छोड़ा; इससे मैं अब जान गया कि तू परमेश्वर का भय मानता है" (उत्पत्ति 22:12)। इब्राहीम परीक्षा में सफल हुआ।

मिस्र, दासत्व का देश परमेश्वर के लोगों के लिए आग की भट्टी के समान था। "और तुम को यहोवा लोहे के भट्ठे सरीखे मिस्र देश से निकाल ले आया है, इसलिये कि तुम उसका प्रजारूपी निज भाग ठहरो, जैसा आज प्रगट है" (व्यवस्थाविवरण 4:20)।

जैसा कि हम पहले देख चुके हैं कि जंगल एक ऐसा स्थान था जहाँ परमेश्वर ने अपने लोगों के हृदयों को परखा था। ""और स्मरण रख कि तेरा परमेश्वर यहोवा उन चालीस वर्षों में तुझे सार जंगल के मार्ग में से इसलिये ले आया है, कि वह तुझे नम्र बनाए, और तेरी परीक्षा करके यह जान ले कि तेरे मन में क्या क्या है, और कि तू उसकी आज्ञाओं का पालन करेगा या नहीं। उसने तुझ को नम्र बनया, और भूखा भी होने

दिया, फिर वह मन्ना जिसे न तू और न तेरे पुरखा ही जानते थे वही तुझ को खिलाया; इसलिये कि वह तुझ को सिखाए कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं जीवित रहता, परन्तु जो जो वचन यहोवा के मुँह से निकलते हैं उन ही से वह जीवित रहता है" (व्यवस्थाविवरण 8:2, 3)।

परमेश्वर अपने लोगों को परख रहा था जब उसने मन्ना को बटोरने के लिए, जिसे उसने उन्हें खाने को दिया, निर्देश दिए, "तब यहोवा ने मूसा से कहा, "देखो, मैं तुम लोगों के लिये आकाश से भोजन वस्तु बरसाऊँगा; और ये लोग प्रतिदिन बाहर जाकर प्रतिदिन का भोजन इकट्ठा करेंगे, इससे मैं उनकी परीक्षा करूँगा कि ये मेरी व्यवस्था पर चलेंगे कि नहीं (निर्गमन 16:4)।

परमेश्वर कभी-कभी झूठे भविष्यद्वक्ता की बात भी पूरी होने देता है ताकि वह अपने लोगों को परख सके। "यदि तेरे बीच कोई भविष्यद्वक्ता या स्वप्न देखनेवाला प्रगट होकर तुझे कोई चिन्ह या चमत्कार को प्रमाण ठहराकर वह तुझ से कहे, 'आओ हम पराए देवताओं के अनुयायी होकर, जिनसे तुम अब तक अनजान रहे, उनकी पूजा करें', तब तुम उस भविष्यद्वक्ता या स्वप्न देखनेवाला के वचन पर कभी कान न धरना; क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारी परीक्षा लेगा, जिससे यह जान ले, कि ये मुझ से अपने सारे मन और सारे प्राण के साथ प्रेम रखते हैं या नहीं" (व्यवस्थाविवरण 13:1-3)।

परमेश्वर ने इस्राएलियों के शत्रुओं को उनके विरोध में अनुमति दी ताकि बाद में वह उन्हें परख सके। "इसलिये यहोवा का कोप इस्राएल पर भड़क उठा; और उसने कहा, " इस जाति ने उस वाचा को जो मैं ने उनके पूर्वजों से बाँधी थी तोड़ दिया, और मेरी बात नहीं मानी, इस कारण जिन जातियों को यहोशू मरते समय छोड़ दिया गया है उनमें से मैं अब किसी को उनके सामने से न निकालूँगा; जिससे उनके द्वारा मैं इस्राएलियों की परीक्षा करूँ, कि जैसे उनके पूर्वज मेरे मार्ग पर चलते थे वैसे ही ये भी चलेंगे कि नहीं।" इसलिये यहोवा ने उन जातियों को

एकाएक न निकाला, वरन् रहने दिया, और उसने उन्हें यहोशू के हाथ में भी न सौंपा था" (न्यायियों 2:20-23)।

राजा हिजकिय्याह ने अपने आप को बेबीलोन के राजदूत के साथ विषम परिस्थिति में पाया जब परमेश्वर ने उसे परखा। " तौभी जब बेबीलोन के हाकिमों ने उसके पास उसके देश में किए हुए अद्भुत कामों के विषय पूछने को दूत भेजे, तब परमेश्वर ने उसको इसलिये छोड़ दिया, कि उसको परखकर उसके मन का सारा भेद जान ले" (2 इतिहास 32:31)।

परमेश्वर अपने लोगों को बताता है। "मैंने दु:ख की भट्टी में परखकर तुझे चुन लिया है" (यशायाह 48:10ब)। कष्ट (बीमारी और रोग नहीं) कठिनाईयाँ और परीक्षाएं आगा की भट्टी हो सकती है जहाँ हमें परखे जाँचे और शुद्ध किए जाते है। "इस कारण तुम मगन होते हो, यद्यपि अवश्य है कि अभी कुछ दिन के लिये नाना प्रकार की परीक्षाओं के कारण दु:ख में हो; और यह इसलिये है कि तुम्हारा परखा हुआ विश्वास, जो आग से ताए हुए नाशवान सोने से भी कहीं अधिक बहुमूल्य है, यीशु मसीह के प्रगट होने पर प्रशंसा और महिमा और आदर का कारण ठहरे" (1 पतरस 1:6,7)।

5

प्रत्येक आग से नमकीन किया जाएगा

"क्योंकि हर एक जन आग से नमकीन किया जाएगा। नमक अच्छा है, पर यदि नमक का स्वाद जाता रहे, तो उसे किस से नमकीन करोगे? अपने में नमक रखो, और आपस मे मेल-मिलाप से रहो" (मरकुस 9:49,50)।

आग नमकीन बनाती है-विकास और परिपक्वता। नमकीनीकरण (नमकीन बनाने की प्रक्रिया) बहुत समय तक किसी वस्तु को सुरक्षित भी रखता है। ध्यान दीजिए कि यीशु ने कहा कि प्रत्येक आग से नमकीन किया जाएगा। कोई भी ऐसा नहीं है जो आग से नमकीन, होने की प्रक्रिया से बच सके। बहुत से मसीही लोगों को अज्ञान होने के कारण बुरा लगता है जब परमेश्वर उनके जीवनों नमकीनीकरण का काम आरम्भ करता है। हमें यह जानने की आवश्यक है कि इस नमकीनीकरण का कोई विकल्प नहीं है, यदि एक व्यक्ति लगातार प्रभु के साथ चलना चाहता है। परमेश्वर केवल चाहता है कि हम उसके हाथ के नीचे समर्पित और अधीन बने रहें। जब हम आग से नमकीन होने की प्रक्रिया से बचकर भाग जाते हैं, तब हमारे जीवनों में नमक की कमी हो जाती है। तब हम बेस्वाद लोग बन जाते है। हम संसार को प्रभावित नहीं कर पाएंगे।

यीशु के उदाहरण को देखें। यीशु के विषय में भविष्यवाणी करते हुए वचन कहता है, इसलिये प्रभु यहोवा यों कहता है,"देखो, मैंने सिय्योन में नींव का एक पत्थर रखा है, एक परखा हुआ पत्थर, कोने का अनमोल और अति दृढ़ नींव के योग्य पत्थर: और जो कोई विश्वास रखे वह उतावली न करेगा" (यशायाह 28:16; 1 पतरस 2:6)। यीशु को कैसे परखा गया? और इससे उसके जीवन में कौन-सा उद्देश्य पूरा हुआ? "क्योकि जिसके लिये सब कुछ है और जिसके द्वारा सब कुछ है, उसे यही अच्छा लगा कि जब वह बहुत से पुत्रों को महिमा में पहुँचाए, तो

उनके उद्धार के कर्त्ता को दुख उठाने के द्वारा सिद्ध करे" (इब्रानियों 2:10)। हम एक बार फिर इब्रानियों 5:8,9 में पढ़ते हैं, "पुत्र होने पर भी उसने दुख उठा-उठाकर आज्ञा माननी सीखी, और सिद्ध बनकर, अपने सब आज्ञा माननेवालों के लिये सदा काल के उद्धार का कारण हो गया"। यीशु को भी "आग से नमकीन होने" की प्रक्रिया से होकर जाना पड़ा। यीशु को कष्ट उठाना पड़ा और इसी कष्ट के द्वारा उसने आज्ञाकारिता सीखी और अपने आप को सिद्ध बनाकर उद्धार का कर्त्ता बन गया। उन कष्टों के द्वारा जिन्हें उसने सहा-वह सिद्ध सम्पूर्ण और परिपक्व बनाया गया।

6

जब हम आग में होकर चलते हैं

“परन्तु वह जानता है कि मैं कैसी चाल चला हूँ; और जब वह मुझे ता लेगा तब मैं सोने के समान निकलूँगा। मेरे पैर उसके मार्गो में स्थिर रहे; और मैं उसी का मार्ग बिना मुड़े थामे रहा। उसकी आज्ञा का पालन करने से मैंन हटा, और मैंने उसके वचन अपनी इच्छा से कहीं अधिक काम के जानकर सुरक्षित रखे” (अय्यूब 23:1.–12)।

शायद आप अपने आपको आग के मध्य में पाते हैं। शायद परमेश्वर ने आपके जीवन में नमकीनीकरण करना आरम्भ कर दिया है– आप आग से नमकीन किए जा रहे है। अथवा इस प्रकार का समय अभी आपके जीवन में आना बाकी है। हम अपने जीवन के उन समयों में क्यार कर सकते हैं जब परमेश्वर हमें परिशुद्ध करने वाले की तरह परिशुद्ध कर रहा है?

हमारे पास अय्यूब का उदाहरण है। अय्यूब की चाहे कोई भी गलती क्यों ने हो, हम उसकी तारीफ करते हैं और उसके जीवन से सीखते हैं। वह व्यक्ति जो सताया गया और परीक्षाओं में से होर गुजर चुका है। विजयी होकर बाहर आया है। निश्चय ही उसके जीवन में हमें सिखाते हुए कुछ ऐसी बहुमूल्य शिक्षाऐं होगी। अय्यूब ने कहा कि परमेश्वर उसके मार्ग को जानता था कि वह कहाँ जा रहा था और जब वह सब कुछ पूरा हो जाएगा तब वह सोने की तरह खरा निकलेगा। हमें इस प्रकार की समझ और दृष्टिकोण का विकास करना है उस मार्ग की जिसमें परमेश्वर हमारी अगुवाई करता है। ऐसे समय में हमें परमेश्वर के वचन को पकड़े रहना है और पीछे नहीं मुड़ना है।

अय्यूब के जीवन का एक और भाग है और वह है उसका धैर्य। हमें बताया गया है, “तुमने अय्यूब के धीरज के विषय में तो सुना ही

है, और प्रभु की ओर से जो उसका प्रतिफल हुआ उसे भी जान लिया है, जिससे प्रभु की अत्यन्त करुणा और दया प्रगट होती है" (याकूब 5:11ब)। आपके विश्वास के परखे जाने से धैर्य उत्पन्न होता है, और यदि हम धैर्य को पूरा काम करने दें तो हम सिद्ध और सम्पूर्ण बनेंगे, किसी भी प्रकार का आभाव नहीं होगा। "हे मेरे भाइयो, जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो, तो इसको पूरे आनन्द की बात समझो, यह जानकर कि तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है। पर धीरज को अपना पूरा काम करने दो कि तुम पूरे और सिद्ध हो जाओ, और तुम में किसी बात की घटी न रहे" (याकूब 1: 2-4)। यदि हम धैर्यवान बने रहें, तो हम परमेश्वर को अनुमति देते हैं कि वह हमारे जीवन में काम करे और अपना भला इरादा पूरा करे। अतः हमें उस समय आनन्दित होना है जब हम विभिन्न प्रकार की परीक्षाओं में पड़ते हैं।

हमारे पास यीशु का उदाहरण है जिसने पीड़ाओं में होकर सीखा। बहुत सी महत्वपूर्ण बातों के विषय में परमेश्वर हमारे हृदयों में ऐसे समय में बोलेगा।

और अब हमारे पास परमेश्वर की प्रतिज्ञा है कि यदि हम आग में होकर भी चलेंगे तौभी नहीं जलेगे, न ही लौ हमें तपा सकेगी। "जब तू जल में होकर जाए, मैं तेरे संग-संग रहूँगा और जब तू नदियों में होकर चले, तब वे तुझे न डुबा सकेंगी; जब तू आग में चले तब तुझे आँच न लगेगी, और उसकी लौ तुझे न जला सकेगी" (यशायाह 43:2)। वह इन सब में हमारे साथ है अतः कोई दुष्ट हम पर विजयी नहीं होगा।

7

इन सब का मूल्य

“चाँदी में से मैल दूर करने पर वह सुनार के लिये काम की हो जाती है” (नीतिवचन 25:4)।

परमेश्वर के लोग उसके आभूषण है। परमेश्वर उन लोगों के विषय में कहता है जो उससे डरते है, “ उस दिन वे लोग मेरे होगे... और मैं उन्हें अपने आभूषण बनाऊँगा” (मलाकी 3:17)। उससे पहले कि हम उसके आभूषण बने हममें से मैल दूर किया जाना आवश्यक है। कभी-कभी इसका अर्थ यह है कि हमें आग में कई बार जाना पड़ेगा, “उस चाँदी के समान जो भट्टी में मिट्टी पर ताई गई, और सात बार निर्मल की गई हो” (भजनसंहिता 12:6ब)। परन्तु हम यह जानकर कितने आनन्द से भर जाते हैं कि एक दिन हम उसके आभूषण होंगे। वह हम पर गर्व करेगा और हमें गर्व से पहनेगा।

प्रेरित पौलुस ने उत्साहित किया, “अपने आप को परमेश्वर का ग्रहणयोग्य और ऐसा काम करनेवाला ठहराने का प्रयत्न कर, जो लज्जित होने न पाए, और जो सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाता हो” (2 तीमुथियुस 2:15)। वे लोग जो परखे गए और खरे निकले वे परमेश्वर के ग्रहणयोग्य सहकर्मी होंगे, अपने स्वामी हेतु इस अन्तिम समय में बहुत सी फसल को जमा करने योग्य ठहरेंगे। हमें उससे जो अपने लोगों का परिशुद्ध करनेवाले के रूप में बैठा है, प्रेम करना सीखना होगा।

ऑल पीपल्स चर्च के प्रतिभागी

स्थानीय कलीसिया के रूप में संपूर्ण भारत देश में, विशेषकर उत्तर भारत में सुसमाचार प्रचार करने के द्वारा ऑल पीपल्स चर्च अपनी सीमाओं के पार सेवा करता है; उसका मुख्य लक्ष्य (अ) अगुवों को दृढ़ करना, (ब) जवानों को सेवा के लिए सुसज्जित करना और (क) मसीह की देह की उन्नति करना है। संपूर्ण वर्षभर जवानों, और पासबानों तथा सेवकों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों और पासबानों की महासभाओं का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा, वचन में और आत्मा में विश्वासियों की उन्नति करने के उद्‌देश्य से अंग्रेजी तथा अन्य कई भारतीय भाषाओं में पुस्तकों की कई हज़ारों प्रतियां विनामूल्य वितरीत की जाती हैं।

जिन बातों की ओर परमेश्वर हमारी अगुवाई कर रहा है उसके लिए काफी पैसों की ज़रूरत होती है। हम आपको निमंत्रित करते हैं कि एक समय की भेंट या मासिक मदद भेजकर आर्थिक रूप से हमारे साथ भागीदार बनें। देश भर में हमारे इस कार्य में हमारी सहायता करने हेतु आपके द्वारा भेजी गई कोई भी रकम सराहनीय होगी।

आप अपनी भेंट "ऑल पीपल्स चर्च, बैंगलोर" के नाम से चेक/बैंक ड्राफ्ट के जरिए हमारे ऑफिस के पते पर भेज सकते हैं। अन्यथा आप अपना योगदान सीधे हमारे बैंक खाते की जानकारी लेकर सीधे बैंक में जमा कर सकते हैं। *(कृपया इस बात को ध्यान में रखें : ऑल पीपल्स चर्च के पास एफ.सी.आर.ए. परमीट नहीं है, अतः हम केवल भारतीय नागरिकों से बैंक योगदान पा सकते हैं। यदि आप चाहते हैं, तो दान भेजते समय, आप स्पष्ट रूप से यह लिख सकते हैं कि ए.पी.सी. की किस सेवकाई के लिए आप अपने दान भेजना चाहते हैं।)*

बैंक खाते का नाम : ऑल पीपल्स चर्च

खाता क्रमांक : 0057213809

आय एफ एस सी क्रमांक : CITI0000004

बैंक : Citibank N.A., 506-507, Level 5, Prestige Meridian 2, # 30, M.G. Road, Bangalore - 560 001

उसी तरह, कृपया जब भी हो सके, हमें और हमारी सेवकाई को प्रार्थना में स्मरण रखें। **धन्यवाद और परमेश्वर आपको आशीष दे।**

ऑल पीपल्स चर्च के प्रकाशन

बदलाव
अपनी बुलाहट से समझौता न करें
आशा न छोड़ें
परमेश्वर के उद्देश्यों को जन्म देना
परमेश्वर एक भला परमेश्वर है
परमेश्वर का वचन
सच्चाई
हमारा छुटकारा
समर्पण की सामर्थ
हम भिन्न हैं
कार्यस्थल पर महिलाएं
जागृति में कलीसिया
प्रत्येक काम का एक समय
आत्मिक मन से परिपूर्ण और पृथ्वी पर बुद्धिमान
पवित्रा लोगों को सिद्ध बनाना
अपने पास्टर की कैसे सहायता करें
कलह रहित जीवन जीना
एक वास्तविक स्थान जो स्वर्ग कहलाता है
परिशद्ध करने वाले की आग
व्यक्तिगत और पीढ़ियों के बन्ध्नों को तोड़ना
आपके जीवन के लिए परमेश्वर के उद्देश्य को पहचानना
राज्य का निर्माण करने वाले
खुला हुआ स्वर्ग
हम मसीह में कौन हैं
ईश्वरीय कृपा
परमेश्वर का राज्य
शहरव्यापी कलीसिया में ईश्वरीय व्यवस्था
मन की जीत
जड़ पर कुल्हाडी रखना
परमेश्वर की उपस्थिति
काम के प्रति बाइबल का रवैया
ज्ञान, प्रकाश और सामर्थ का आत्मा
अन्य अन्य भाषाओं में बोलने के अदभुत लाभ
प्राचीन चिन्ह

उपर्युक्त सभी पुस्तकों के पी डी एफ संस्करण निःशुल्क डाऊनलोड के लिए हमारे चर्च वेब साईट पर उपलब्ध हैं। इनमें से कई पुस्तकें अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। इन पुस्तकों की निःशुल्क प्रतियां प्राप्त करने हेतु कृपया हमसे ई–मेल या डाक द्वारा संपर्क करें।

रविवार के संदेश के एम पी 3 ऑडियो रिकार्डिंग, तथा कॉन्फ्रन्स और हमारे गॉड टी. व्ही. कार्यक्रम 'लिविंग स्ट्रांग' के विडियो रिकार्डिंग को सुनने या देखने के लिए हमारे वेब साईट को भेंट दें।

बाइबल कॉलेज

विश्वसनीय एवं योग्य स्त्री और पुरुषों को सुसज्जित करने, प्रशिक्षित करने और भारत तथा अन्य देशों में सेवा हेतु भेजने के उद्देश्य से ऑगस्ट 2005 में ऑल पीपल्स चर्च – बाइबल कॉलेज एवं मिनिस्ट्री ट्रेनिंग सेन्टर (APC - BC& MTC) की स्थापना की गई, ताकि गांवों, नगरों और शहरों को यीशु मसीह के लिए प्रभावित किया जा सके।

APC - BC& MTC दो कार्यक्रम प्रदान करता है :

- दो साल का **बाइबल कॉलेज** कार्यक्रम पूर्णकालीन विद्यार्थियों के लिए है और उत्कृष्ट शिक्षा के साथ आत्मिक और व्यवहारिक सेवा प्रशिक्षण प्रदान करता है। दो वर्षीय कार्यक्रम पूरा करने के बाद विद्यार्थियों को **डिप्लोमा इन थियोलॉजी ऑण्ड क्रिश्चियन मिनिस्ट्री** (Dip. Th.& CM) प्रदान की जाएगी।

- प्रेक्टिकल मिनिस्ट्री ट्रेनिंग बाइबल कॉलेज के उन पद्‌वीधरों के लिए है जो व्यवहारिक प्रशिक्षण पाना चाहते हैं। एक या दो साल पूरा करने वालों को **सर्टिफिकेट इन प्रेक्टिकल मिनिस्ट्री** प्रदान किया जाएगा जो उनके प्रशिक्षण काल को दर्शाता है।

कक्षाएं अंग्रेजी में होती हैं। हमारे पास प्रशिक्षित तथा अभिषक्त शिक्षक हैं।

इसके अतिरिक्त, सन 2012 में, चाम्पा क्रिश्चियन हॉस्पिटल की सहभागिता से हमने चाम्पा, छत्तीसगढ़ में अपने प्रथम अल्पकालीन (2.5 महीने) कार्यक्रम का संचालन किया। हमने इस कॉलेज से 45 विद्यर्थियों को प्रशिक्षित किया।

क्या आप उस परमेश्वर को जानते हैं जो आपको प्यार करता है?

लगभग 2000 वर्ष पहले परमेश्वर इस संसार में एक मनुष्य बनकर आए। उनका नाम यीशु है। उन्होंने पूर्ण पापरहित जीवन जीया। चूँकि यीशु मानव रूप में परमेश्वर थे, उन्होंने जो कुछ कहा और किया उसके द्वारा हमारे समक्ष परमेश्वर को प्रकट किया। उन्होंने जो वचन कहे वे परमेश्वर के ही वचन थे। जो कार्य उन्होंने किये वे परमेश्वर के कार्य थे। यीशु ने बहुत से चमत्कार इस पृथ्वी पर किये। उन्होंने बीमारों और पीड़ितों को चंगा किया। अंधों को आंखें दीं, बहिरों के कान खोले, लंगड़ों को चलाया और हर प्रकार की बीमारी और रोग को चंगा किया। उन्होंने चमत्कार करके कुछ रोटियों से बहुतों को खाना खिलाया था। तूफान को शान्त किया और अन्य बहुत से अद्‌भुत काम किए।

ये सभी कार्य हमारे समक्ष यह प्रकट करते हैं कि परमेश्वर एक भला परमेश्वर है जो यह चाहता कि मनुष्य ठीक, स्वस्थ और प्रसन्न रहें। परमेश्वर मनुष्यों की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहता है।

परमेश्वर ने मानव बनकर इस पृथ्वी पर आने का निश्चय क्यों किया? यीशु इस संसार में क्यों आए?

हम सबने पाप किया है और ऐसे काम किए हैं जो परमेश्वर के समक्ष ग्रहण योग्य नहीं हैं जिसने हमें बनाया है। पाप के परिणाम होते हैं। पाप एक बड़ी दीवार की तरह परमेश्वर और हमारे बीच में खड़ी है। पाप हमें परमेश्वर से अलग करता है। वह हमें उसे जानने और उससे अर्थपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने से रोकता है जिसने हमें बनाया है। अत: हममें से बहुत से लोग इस खालीपन को अन्य वस्तुओं से भरना चाहते हैं।

हमारे पापों का एक और परिणाम यह है कि हम परमेश्वर से सदा के लिए दूर रहते हैं। परमेश्वर के न्यायालय में पाप का दण्ड मृत्यु है। मृत्यु परमेश्वर से सदा के लिए अलगाव है जो हमें नर्क में बिताना पड़ेगा।

परन्तु शुभ समाचार यह है कि हम पाप से मुक्त होकर परमेश्वर से सम्बन्ध रख सकते हैं। बाइबल कहती है, **''पाप की मजदूरी (भुगतान) तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है''** (रोमियों 6:23)। यीशु ने सारे संसार के पापों के लिए मूल्य चुकाया जब उसने क्रूस पर अपने प्राण दिये। तब तीसरे दिन वह जीवित हो गए, बहुतों को उन्होंने अपने आपको जीवित दिखाया और तब वह वापस स्वर्ग चले गए।

परमेश्वर प्रेम और दया का परमेश्वर है। वह नहीं चाहता कि कोई भी नर्क में नाश हो। इसलिए वह आया ताकि सारी मानव जाति को पाप से छुटकारे और उसके अनन्त परिणामों

से बचा सके। वह पापियों को बचाने– आप और मुझ जैसे लोगों को पाप और अनन्त मृत्यु से बचाने आया था।

पाप की निशुल्क क्षमा प्राप्त करने के लिए बाइबल हमें बताती है कि हमें केवल एक काम करना है–जो कुछ उसने क्रूस पर किया उसे स्वीकार करना और उस पर पूर्ण हृदय से विश्वास करना है।

जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी (प्रेरितों के काम 10:43)।

यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा (रोमियों 10:9)।

आप भी अपने पापों की क्षमा और उनसे छुटकारा पा सकते हैं यदि आप प्रभु मसीह पर विश्वास करें।

निम्नलिखित एक साधरण प्रार्थना है ताकि इससे आपको यह फैसला करने में और प्रभु यीशु मसीह के द्वारा आपके लिए किए क्रूस के कार्य पर विश्वास करने में सहायता कर सके। यह प्रार्थना आपकी सहायता करेगी कि आप यीशु के कार्य को स्वीकार करके अपने पापों की क्षमा और उनसे छुटकारा पा सकें। यह प्रार्थना मात्र एक मार्गदर्शिका है। आप अपने शब्दों में भी प्रार्थना कर सकते हैं :

प्रिय प्रभु यीशु, आज मैंने समझा है कि आपने मेरे लिए क्रूस पर क्या किया था। आप मेरे लिए मारे गए! आपने अपना बहुमूल्य रक्त बहाया और मेरे पापों की कीमत चुकाई ताकि मुझे पापों की क्षमा मिले। बाइबल मुझे बताती है कि जो कोई आप में विश्वास करता है उसे उसको पापों की क्षमा मिलती है।

आज मैं आपमें विश्वास करने और जो कुछ आपने मेरे लिए किया है, उसको स्वीकार करने का फैसला करता हूँ, कि आप क्रूस पर मारे गए और फिर जीवित हो गए। मैं जानता हूँ कि मैं अपने आपको अच्छे कामों के द्वारा नहीं बचा सकता हूँ। मैं अपने पापों की क्षमा कमा नहीं सकता हूँ।

आज मैं अपने हृदय में विश्वास करता हूँ और मुँह से कहता हूँ कि आप मेरे लिए मारे गए। आपने मेरे पापों का दण्ड चुकाया। आप मृतकों में से जीवित हो गए और आपमें विश्वास करने के द्वारा मैं अपने पापों की क्षमा और पाप से छुटकारा प्राप्त करता हूँ।

प्रभु यीशु धन्यवाद। मेरी सहायता करें कि मैं आपको प्रेम कर सकूँ। आपको और अधिक जान सकूँ और आपके प्रति विश्वासयोग्य रह सकूँ। आमीन!

नोट्स

नोट्स

नोट्स

उन तरीकों को जानना रूचिकर होगा जिनके द्वारा परमेश्वर उन लोगों के हृदयों और जीवनों में काम करता है जिन्होंने अपने जीवनों को परमेश्वर को समर्पित किया है। जितना अधिक हम परमेश्वर के मार्गों तरीको और व्यवहारों को जो वह अपने लोगों के साथ करता है, जानेंगे, उतना ही अधिक उसके प्रति समर्पित होना और उसके साथ चलना आसान होगा। जब हम परमेश्वर के काम के तरीकों को नहीं समझते तभी हम ढीठ बनकर अपने मार्गों पर चलते हैं। परमेश्वर अपना अनुग्रह देता है ताकि हम यह पहचान सकें कि हमारा परमेश्वर एक परिशुद्ध करनेवाले और जाँचनेवाले के रूप में बैठता है। यीशु एक ऐसी कलीसिया को लेने आएगा जो बिना दाग और बिना झुर्री की हो। इसके लिए परिशुद्धिकरण की प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। यह पुस्तक हमें परमेश्वर के मार्गों और उद्देश्यों के विषय में बुद्धिमान बनाएगी।

आशीष रायचूर

All Peoples Church & World Outreach
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617, +91-80-65970617
Email: contact@apcwo.org
Website: www.apcwo.org